→ Geography as an interdisciplinary science.

भूगोल को फ्रिमेन एवं रॉक ने परिभाषित करते हुए लिखा है-

A literal ~~definition~~ definition of Geography would be writing about description of Earth feature including all that appear on it (पृथ्वी एवं उसपर दिखाई देनेवाले सभी लक्षणों एवं तथ्यों का वर्णन करना या उसके बारे में शाब्दिक अर्थों में लिखना ही भूगोल है।)

भूगोल हमें जल एवं स्थल मंडल में हर प्रकार के जीवों, उनके साथ घटने वाले क्रिया-कलापों के साथ-साथ विभिन्न लक्षणों वाली पृथ्वी की विशेषताओं को बताता है। भूगोल की परिभाषा तथा उसके विज्ञानों से संबंध के बारे में टॉलमी, रिटर, हमबोल्ट, वाइडल डिलाक्रास, जेम्स आदि विद्वानों ने किया है। डॉ० डडले स्टैम्प ने भूगोल को परिभाषित करते हुए लिखा कि भूगोल को, पृथ्वी को मानव का गृह मानकर उसके भौतिक परिवेश एवं मानव प्रजाति के अध्ययन की विधा है।

हेटनर महोदय ने लिखा कि भूगोल एवं क्षेत्र विवरण का विज्ञान है। क्षेत्र विवरण चिंतन का उद्देश्य प्रदेशों या स्थानों का लक्षण ज्ञात करना है। ऐसा ज्ञान वास्तविक तथ्यों से रचित भूगोल के बीच पाये जाने वाले संबंध एवं अंतर्संबंधों के व्यापकता के स्तर पर साथ-साथ मिलने से रचित होता है।

भूगोल के अध्ययन के लिए उसके क्रियाशील लक्षणों के आधार पर भूगोल का अंतर निहित संबंध, प्राकृतिक विज्ञान, समाज विज्ञान, जैव विज्ञान से स्थापित किया गया है इसमें इन विज्ञानों का संबंध सर्वत्र परिलक्षित होता है।

a. पृथ्वी के लक्षणों का अध्ययन करने वाला विज्ञान :-

इसके अंतर्गत मूलरूप से स्थलाकृति भूविज्ञान, जल, वितल, वायुमंडल एवं जैव जगत के विज्ञान आते हैं। जिनमें भौतिकी रसायन विज्ञान वनस्पति एवं प्राणी विज्ञान, जलवायु विज्ञान, मृविज्ञान एवं स्थलाकृति विज्ञान को शामिल किया गया है अतः भूगोल के माध्यम से इन सभी विज्ञानों को एक सूत्र में बाँधा गया है।

Scanned with CamScanner

b. गणितीय विज्ञान :-

यह एक सरल से स्वरूपों की तथ्यात्मक निर्धारण विद्या है। इसके माध्यम से गणित की ~~गणित की~~ सभी शाखाएँ भूगणित नक्षत्र विद्या, सापेक्ष संबंध, सांख्यिकी आदि आते हैं। भूगोल में ग्लोब और सौरमंडल का संबंध सांस्कृतिक तत्वों के पहलू का भूगोल से निकट संबंध रहा है।

c. सामाजिक विज्ञान :-

इसमें मानवीय घटनाएँ के प्राणतत्व शामिल हैं, क्योंकि सामाजिक विज्ञान सिर्फ मानव समाज एवं उसको सभी प्रकार के प्रभावित करने वाले तत्वों से संबंधित दर्शन का विज्ञान है।

भूगोल का प्राकृतिक विज्ञानों से संबंध :→

प्राकृतिक विज्ञानों के अंतर्गत भूगोल का निकट संबंध निम्नलिखित है —

(a) भूगोल एवं भूविज्ञान :→ भूतल के लक्षणों एवं उनके परिवर्तनशील संबंध, वहाँ के दृश्य भूमि का अध्ययन करता है। भूविज्ञान में चट्टान भूगर्भ के खनिज का अध्ययन होता है जबकि भूगोल में उनका सामान्य विन्यास उनका आर्थिक महत्त्व एवं संसाधन के रूप में उनकी उपलब्धता आदि का वर्णन होता है। चट्टानों के वितरण उनपर समतल स्थापित शक्तियों का प्रभाव चट्टानों की उत्पत्ति एवं भूवैज्ञानिक विकास होता है।

(b) भूगोल एवं स्थलाकृति विज्ञान :→ भूविज्ञान एवं भूगोल के बीच स्थलाकृति विज्ञान एक कड़ी है। पृथ्वी के स्वरूप, चट्टानों की संरचना के आधार पर ऊँचाई का क्रमिक विकास एवं अपरदन की शक्तियों द्वारा आधारतल की ओर विकास स्थलाकृति विज्ञान होता है।

(c) भूगोल एवं जलवायु तथा मौसम विज्ञान :→ जलवायु विज्ञान में दिन प्रतिदिन में घटित एवं परिवर्तनशील मौसम की औसत दशाओं की ~~की~~ व्याख्या होती है। प्रतिदिन दो से चार घटनाएँ होती रहती हैं अब तो वायुमंडल की विद्युतचुंबकीय ब्रह्मांड किरणों का प्रभाव ओजोन ~~मंडल~~ मँडल के द्वारा पराबैंगनी की घातक प्रभाव प्रदूषक का अध्ययन किए बिना भौतिक भूगोल एवं मानव भूगोल पर उसकी प्रतिक्रिया को नहीं समझा जा सकता।

(d) भूगोल एवं जैव विज्ञान :→ प्राणी एवं वनस्पति विज्ञान में जीव एवं वनस्पति के क्रमवार विकास का अध्ययन होता है।

Scanned with CamScanner

लेकिन शोधकर्ता इस बात को स्वीकार करते हैं कि निश्चित विशेष प्रकार की वनस्पति एवं प्राणी एक आदर्श भौगोलिक पर्यावरण के अध्ययन बिना जैव जगत के घटक उनमें ऊर्जा प्रवाह को समझना कठिन है। अतः विभिन्न प्रकार के जैविक एवं वनस्पतियों का विकास भौगोलिक पर्यावरण से में ही संभव है और इस तरह इसका भूगोल से निकट संबंध है।

इसके अलावा भूगोल का सामुद्रिक विज्ञान जिसमें जल के रासायनिक गुण, महासागर के तल की रचना तथा गतियों का अध्ययन होता है। भूगोल का नक्षत्र विद्या से भी संबंध है जिसमें पृथ्वी एवं सौर मंडल की उत्पत्ति का अध्ययन होता है।

(e) भूगोल का सामाजिक विज्ञान से संबंध :→ जिस तरह प्राकृतिक एवं भौतिक विज्ञान से भूगोल का संबंध स्थापित किया गया है उसी तरह, समाज विज्ञान से भी भूगोल का संबंध स्थापित किया गया है। बुश का कहना है —

"Not only the Economic and demographic Science, but all the Philosophycal, Ethical and Historical once are also becoming permeated more and more by the Geographical spirit."

(f) भूगोल एवं इतिहास :→ लगभग डेढ़ सौ साल पहले इतिहास में ही सांस्कृतिक एवं मानव भूगोल का अध्ययन किया जाता था। माना जाता था किसी देश का इतिहास वहाँ के भौगोलिक वातावरण की देन है। कांट, वकल आदि कई भूगोलवेत्ताओं ने इतिहास एवं भूगोल की के अंतः संबंध का उल्लेख किया है, कांट ने कहा कि भूगोल भूत में घटित मानवीय क्रियाओं का संकलन इतिहास है। जबकि भूगोल में में स्थानों के अनुसार प्राकृतिक जगत की घटनाओं का सकल स्वरूप का वर्णन करता है। इतिहास से भूगोल पुराना है क्योंकि सभी कालों में रहा है। इसी द्वारा रचित रंगमंच पर ऐतिहासिक घटनाएँ होती रहती है। अतः इतिहास एवं भूगोल का घनिष्ठ संबंध है। आज का जो तथ्य भूगोल है वही तथ्य कालांतर में इतिहास बन जाता है। अतः दोनों विज्ञानों को एक दूसरे द्वारा बिना हानि पहुँचाये एक-दूसरे को खंडित नहीं किया जा सकता।

(g) भूगोल एवं अर्थशास्त्र :→ अर्थशास्त्र में आर्थिक क्रियाकलापों का अध्ययन होता है, प्रकृति अनेक प्रकार की संसाधनों

Scanned with CamScanner

को सूजित करती है जो भूगोल के परिनियम में आता है। अर्थशास्त्र इन संसाधनों से उत्पादन, विनिमय, विपरण, वितरण और उपयोग करके आर्थिक आधार पर सुनियोजित, परिष्करण करके एक मार्ग निर्देश करता है। इस प्रकार किसी देश का आर्थिक नियोजन भौगोलिक या वहाँ के पर्यावरण के समुचित ज्ञान के आधार पर किया जा सकता है।

~~(h) भूगोल एवं समाजशास्त्र :-~~

(h) भूगोल एवं समाजशास्त्र :→ समाजशास्त्र में मानवीय समाजस्वरूप व्यवस्था घटना एवं समस्याओं का अध्ययन किया जाता है। समाजशास्त्र के निर्माण में पारिस्थतिकी, जनसांख्यिकी एवं जैव विज्ञान के द्वारा विशेष योगदान है लेकिन इसके नींव के निर्माण में भौगोलिक पर्यावरण का व्यवहारिक प्रभाव स्पष्ट झलकता है अत: सांस्कृतिक भूदृश्य जो समाजशास्त्र का प्राथमिक आधार है वह पर्यावरण से मानवीय क्रिया- प्रतिक्रिया की देन है। आज सर्वत्र मानव सबल कारक बनता जा रहा है अत: यदि भूगोल से सामाजिक या मानवीय अंश निकाल दिया जाए तो भूगोल अधूरा रह जाएगा।

भूगोल एवं राजनीतिक विज्ञान :→

किसी देश का राजनैतिक स्वरूप उसकी घटनाएँ एवं विशेष सामाजिक संस्थानों के माध्यम से वहाँ के विशिष्ट भौगोलिक पर्यावरण के अनुसार स्वरूपित होता रहा है। राजनीति विज्ञान में विशेष राज्य से संबंधित राजनैतिक संगठन एवं अंतर्राष्ट्रीय नीतियाँ एवं संवैधानिक ढाँचों का अध्ययन किया जाता है। इसी में वहाँ के भूमि संसाधन संसाधन की अनुकूलता एवं जनसंख्या के घनत्व से वे प्रभावित होते हैं। देश के संबंध अंत: प्राकृतिक संतुलन बनाये रहते हैं अत: किसी भी राजनैतिक इकाई का प्राकृतिक वातावरण एवं उसमे विकसित मानवीय समुदाय या समाज विशेष वहाँ के आधारभूत कारणों से प्रभावी होता है। अत: राजनैतिक संस्थाओं, राजनीतिक विज्ञान के चिंतन एवं दर्शन में निहीत पृष्ठ भूमि में भौगोलिक वातावरण के भौतिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं के प्रभाव को किसी भी तरह गौण नहीं समझा जा सकता है।

Scanned with CamScanner

इस तरह हम देखते हैं कि नवीन विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान की शाखाएँ एवं उपशाखाएँ अधिकांशतः भूगोल से संबंधित है क्योंकि पृथ्वी की इकाई एक ऐसा कारक है जो सभी प्रकार के भौतिक सामाजिक विज्ञानों की क्रियाशीलता के लिए निर्णायक मंच रहा है। भूगोल में पृथ्वी की एकता का अध्ययन विशेष रूप से किया जाता है।

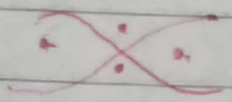

Scanned with CamScanner